



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 681 ]  
No. 681 ]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 8, 1997/अग्रहायण 17, 1919  
NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 8, 1997/AGARHAYANA 17, 1919

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1997

का.आ. 833 (अ).—यतः दिल्ली के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तथा विशेष न्यायाधीश की अदालत में श्री चन्द्रास्वामी व अन्यो के विरुद्ध चल रहे आपराधिक मामले के संबंध में कनाडा में रह रहे गवाहों के साक्ष्य लेने के लिए आपराधिक मामलों में पारस्परिक सहायता के बारे में भारतीय गणतंत्र और कनाडा सरकार के बीच दिनांक 24 अक्टूबर, 1994 की संधि के तहत कनाडा सरकार के साथ प्रबंध किए गए हैं, केन्द्रीय सरकार दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा निर्देश देती है कि दिल्ली के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तथा विशेष न्यायाधीश की अदालत से कनाडा में गवाह की जांच के संबंध में अधिकार पत्र सुप्रीम कोर्ट ऑफ ज्यूडिकेचर, ऑनटारियो (टोरोन्टो रीजन), कनाडा, जिसके क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमा में गवाह रहता है, को दिनांक 5 सितम्बर, 1997 को जारी कर दिया गया है और यह कि अधिकार पत्र विदेश मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली को संबंधित अदालत को देने हेतु भेजा जाएगा। दिल्ली के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तथा विशेष न्यायाधीश का दिनांक 5 सितम्बर, 1997 का मूल आदेश इस सत्र के साथ संलग्न है।

सं.-868/अजीत भरिहोक/अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश  
तथा विशेष न्यायाधीश, दिल्ली (विज्ञान भवन एनेक्सी)

दिनांक 5 सितम्बर, 1997

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तथा विशेष न्यायाधीश, दिल्ली (भारत) श्री अजीत भरिहोक की अदालत में।

(भारत से बाहर गवाह की जांच हेतु अधिकार पत्र)

[दण्ड प्रक्रिया संहिता (भारत), (1973) की धारा 285 (3)]

सेवा में,

उच्चतम न्यायालय,

ओनटारियो (टोरण्टो क्षेत्र)

कनाडा।

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, भारत के माध्यम से।

यतः मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि इस न्यायाधीश में विचारण के लिए लम्बित मामला सं. 98/96 (आर.सी.1) (एस)/88/सी.बी.आई/एस.आई.यू. (IX) सरकार बनाम श्री चन्द्रास्वामी जी और अन्य में न्याय करने के लिए श्री वाल्टर अर्मी मिलर, 17, स्काईरिज कोर्ट, आर.आर.आई., गॉर्मले, ओरटारियो, ओ.एच. 1 जी.ओ. (कनाडा) की गवाही आवश्यक है तथा उक्त गवाह आपके अधिकार क्षेत्र की स्थायी परिसीमा में रह रहा है और अनुसूचित विलम्ब, व्यय या असुविधा के बिना उन्हें उपस्थित नहीं किया जा सकता,

तथा, मैं, अजीत भरिहोक, अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश, दिल्ली (भारत) आपसे सादर निवेदन करता हूँ कि उक्त कारणों से और इस न्यायालय की सहायता के लिए, उक्त गवाह को उस समय और स्थान पर बुलाएं जो आप निर्धारित करें तथा यह भी अनुरोध है कि आप उनका बयान लें;

तथा कार्यवाहियों का कोई भी पक्ष अपने वकील या एजेंट के माध्यम से या यदि हिरासत में न हो तो स्वयं आपके समक्ष उपस्थित हो सकता है और उक्त गवाह से पूछताछ, जिरह या पुनः पूछताछ (जैसी स्थिति हो) कर सकता है;

तथा मुझे आपसे सादर यह भी निवेदन करना है कि उक्त गवाह से पूछताछ, जिरह या पुनः पूछताछ (जैसी स्थिति हो) के लिए सरकार (केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, भारत सरकार) की ओर से विशेष सरकारी अभियोजक तथा अभियुक्त सर्व श्री चन्द्रास्वामी जी, कैलाश नाथ अग्रवाल और पी.वी. नरसिंह राव द्वारा किए गए बचाव पक्ष के वकीलों को उपस्थित होने के लिए अनुमति प्रदान करें। कृपया अभियुक्त सर्व श्री चन्द्रास्वामी जी और कैलाशनाथ अग्रवाल को गवाह से ऐसी पूछताछ, जिरह या पुनः पूछताछ के दौरान स्वयं उपस्थित होने के लिए अनुमति प्रदान करें।

और मुझे सादर यह भी कहना है कि मैं विधि के सम्बद्ध उदरण, जिसमें मामले के दस्तावेज और जांच के दौरान रिकार्ड किए गए कुछ गवाहों के मूल बयान भी शामिल हैं, तथा इस कोर्ट में रिकार्ड किए गए कुछ गवाहों के बयानों की प्रतियां भी, जिनका संलग्न अनुलग्नक से पूरी तरह से वर्णन किया गया है और जो इस अनुरोध पत्र का एक हिस्सा है, केन्द्रीय जांच ब्यूरो, भारत सरकार के लिए विशेष लोक अभियोजक के माध्यम से आपके पास भेजूंगा। जब भी आवश्यक हो, गवाहों की पूछताछ के लिए प्रबंध आप द्वारा किए जाएं जिसके लिए कार्यवाही के उद्देश्य हेतु रिकार्ड करने की अनुमति दी जाए।

और मुझे सादर यह भी अनुरोध करना है कि उक्त गवाह के उत्तर को लिखित में व्यक्त करेंगे और ऐसी पूछताछ पर पेश की गई सभी पुस्तकों, पेश किए गए सभी पत्रों, कागजातों और दस्तावेजों को विधिवत रूप से अंकित किया जाए और उन्हें कार्यवाही में दर्शाया जाए और आप अपनी सरकारी मोहर (यदि कोई हो) और अपने हस्ताक्षरों से ऐसी पूछताछ को अधिप्रमाणित करें और इसे विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से उन्हें अधोहस्ताक्षरी को इस आदेश के साथ वापिस करें।

मेरे हस्ताक्षर द्वारा और न्यायालय की मोहर के  
अधीन दिया गया 5 सितम्बर, 1997

हस्ता./-5-9-97

(अजीत भरिहोक)

अपर सत्र न्यायाधीश तथा विशेष न्यायाधीश  
दिल्ली (भारत)

## अनुलग्नक

- (i) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (भारत) की धारा 188, 284, 285 और धारा 288 के उदरण ।
- (ii) भारत गणराज्य और कनाडा सरकार के बीच 24-10-1994 को हुई आपराधिक मामलों में पारस्परिक सहायता संबंधी संधि की प्रति (26 पन्ने) ।
- (iii) दण्ड मामला अधिनियम, 1989 में पारस्परिक विधायी सहायता (कनाडा) की धारा 17 की प्रति ।
- (iv) दिनांक 5-2-1988 को दखिल प्रथम सूचना रिपोर्ट की प्रति (डी/2) (दो पन्ने शीटें)
- (v) मामले में दायर आरोप पत्र की प्रति और गवाहों के कागजात और वस्तुएं आदि की सूची (13 शीटें)
- (vi) भारत सरकार द्वारा जारी दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 188 के अन्तर्गत दिनांक 19-4-1996 के स्वीकृति आदेश की प्रति (8 पन्ने) (शीटें)
- (vii) इस न्यायालय द्वारा अभियुक्त के खिलाफ लगाए गए आरोपों की प्रति ।
- (viii) श्री लक्ष्मू भाई पाठक, टलालिस्को यान वेराक्रूण स्टेट मेक्सिको (सेवानिवृत्त) द्वारा इस न्यायालय में दिए गए बयान की प्रति ।
- (ix) श्री लक्ष्मू भाई पाठक के पुत्र योगेश पाठक, पो. वाक्स सं. 26805, ताम्प्लोरिडा यू.एस.ए. द्वारा दिए गए बयान की प्रति ।
- (x) श्री आर.के. दास, संयुक्त निदेशक, एस.आई.बी., लखनऊ (भारत) द्वारा इस न्यायालय में दिए गए बयान की प्रति ।
- (xi) श्री आर.पी. सेहरावत, मुख्य विपणन प्रबंधक कागज प्रभाग, राज्य व्यापार निगम, नई दिल्ली (भारत) द्वारा इस न्यायालय में दिए गए बयान की प्रति ।
- (xii) 26-10-1991 का संपूर्ण सारांशयुक्त अनुरोध (रोगेटरी) पत्र की प्रति, चीफ मेट्रोपॉलिटन मैजिस्ट्रेट, दिल्ली के न्यायालय द्वारा जारी दिनांक 8-4-1993 के अनुपूरक के साथ ओनटारियो न्यायालय, टारन्टो क्षेत्र (प्रादेशिक विभाग) में शपथ पर श्री डब्ल्यू. ई. मिल्लर द्वारा दिए गए बयान सहित कनाडा न्यायालय की कार्यवाहियों की प्रति (डी 22 से डी 22/3) (285 पृष्ठ)
- (xiii) अन्वेषण के दौरान केरिया सैनियागो (चिली) के निवासी श्री कुमार भाग चंदानी द्वारा दिनांक 25-5-88 को दिया गया मूल बयान (एस-6) (34 पन्ने) (शीटें)
- (ivx) अन्वेषण के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के इलियन स्टेट पुलिस डिस्ट्रिक्ट 03 द्वारा श्री किशोर कामदार, निवासी 2426, पश्चिमी देवन, शिकागो, इलिनोयस जिप-60659 द्वारा 23-1-1996 को लिया गया बयान (एस-14) (4 शीटें)
- (xv) अन्वेषण के दौरान एकत्र किया गया गुरप्रीत वीडियो इन्टरनेशनल का मूल पहचान पत्र जिसमें मैसर्स बेनर इन्टरनेशनल का (पीछे की तरफ) बैंक ऑफ मान्द्रियल, ऑनटारियो के खाते सं. 4600-109 के साथ हस्तलिखित पता था । (डी 5/1) (एक शीट)
- (xvi) अन्वेषण के दौरान बरामद किया गया श्री भग चन्दानी के पक्ष में अमरीकी डालर 50,000 के बैंक ऑफ मान्द्रियल के बैंक सं. 019 की फोटो प्रति ।
- (xvii) श्री दुगल्लस एम. हन्सकैट, विशेष एजेंट, संगठित अपराध एवं आपराधिक आसूचना ब्यूरो, स्टेट ऑफ कैलीफोर्निया (यू.एस. ए.) का दिनांक 20-6-1988 का कवरिंग लैटर (डी/6) (एक शीट) के साथ
  - (क) व्यक्तिगत ग्रांट डीड 83-1330 67 दिनांक 2-5-83 की प्रति (डी 6/1) (एक)
  - (ख) व्यक्तिगत ग्रांट डीड सं. 86-1728704 की प्रति (डी 6/2) (एक शीट) ।
  - (ग) कैलीफोर्निया के भू-राजस्व अभिलेखों से कथित सम्पत्ति के उदरण (चार शीटों पर) (डी 7) (4 शीट)
- (xviii) उक्त श्री दुगल्लस एम. हन्सकैट का दिनांक 6-7-88, 10-11-89 का दूसरा पत्र (डी-14 एवं मार्क-ए 3) (प्रत्येक की एक शीट)
  - (क) 73,000 अमरीकी डालर के लिए मैसर्स एकनिक फूड इनकारपोरेशन, दिनांक 30-12-1983 का बैंक सं. 026009786 (मार्क डी) (शीट्स)
  - (ख) श्री एल.जी. पाठक को श्री योगेश पाठक द्वारा जारी किया गया दिनांक 30-12-83 का डिमाण्ड प्रॉमिजरी नोट (मार्क एक्स) (एक शीट)
  - (ग) कवर नोट के साथ इजरायल डिस्काउन्ट बैंक ऑफ न्यूयार्क में मैसर्स एथनिक फूड इनकारपोरेशन के बैंक खाते सं. 03-4955-2 का विवरण (डी-12) (दो शीट)
  - (घ) मैसर्स कैनेडियन इम्पीरियल बैंक ऑफ कॉमर्स ट्रस्ट कम्पनी की पे-इन-स्लिप दिनांक 4-1-84 (जिसे गलती से 4-1-83 लिखा गया था) (डी-13) (एक शीट)
  - (ङ) यू.एस. अटोर्नी, साउथम डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयार्क से प्राप्त अन्य कागजात (2 शीटें-मार्क ए-10, ए 1, ए 2, ए 4, ए 8, ए 9, ए 6, ए 7, ए 5)

- (xx) दिनांक शून्य का मांगपत्र (इंडेन्ट) जिसका प्रयोजन भारत में न्यूजप्रिंट तथा पेपर पल्प का आयात करना है। मांगकर्ता (इन्डेन्टर) का नाम स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन इंडिया है (डी-5/2) (एक शीट)।

हस्ता/-5-9-1997

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश

दिल्ली (भारत)

[फा० सं०—11/6/97-एल.सी.]

आलोक कुमार श्रीवास्तव, उप सचिव, (आई एस II)

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 5th December, 1997

S.O. 833 (E)—Whereas arrangements have been made with the Government of Canada under the treaty dated the 24th day of October, 1994, between the Government of the Republic of India and the Government of Canada on Mutual Assistance in Criminal Matters for taking the evidence of witness residing in Canada in relation to a criminal case against Shri Chandraswami and others being tried in the court of Additional Sessions Judge-cum-Special Judge, Delhi, the Central government in pursuance of sub-section (3) of section 285 of the code of Criminal Procedure, 1973, (2 of 1974), hereby directs that Commission from the Court of Additional Sessions Judge-cum-Special Judge, Delhi for the examination of witness in Canada has already been issued on 5th day of September, 1997, to the Supreme court of Judicature, Ontario (Toronto Region), Canada, within the local limits of whose jurisdiction the witness resides and that such Commission shall be sent to the Ministry of External Affairs, Govt. of India, New Delhi for transmission to the Court concerned. The Original Order Dt. the 5th day of September, 1997 of the Additional Sessions Judge-cum-Special Judge, Delhi is annexed hereto.

No. 868/Ajit Bharihoke/ASJ-cum-Spl. Judge/  
Delhi (Vigyan Bhavan Annexe).

Dated : September 5, 1997

IN THE COURT OF SHRI AJIT BHARIHOKE, ADDITIONAL SESSIONS JUDGE CUM SPECIAL JUDGE, DELHI (INDIA)

(Commission to examine witness outside India)

(Section 285) (3) of the Code of Criminal Procedure (India), 1973.

To

The Supreme Court of Judicature  
Ontario (Toronto Region),  
CANADA.

Through the Ministry of External Affairs, Government of India, New Delhi, India.

Whereas it appears to me that evidence of Mr. Walter Earnie Miller, 17, Skyridge Court, R.R.I. Gormley, Ontario, OH I GO (Canda) is necessary for the ends of justice in Case No. 98/96 (RC 1(S)/88/CBI/SIU.IX) State Versus Shri Chandra swmiji and others pending trial in this Court andd that the said witness is residing within the local limits of your jurisdiction and his attendance cannot be procured without un reasonable delay, expenses or inconvenience;

And, I Ajit Bharihoke, Additional Sessions Judge cum Special Judge, Delhi (India) have the honour to request and do hereby request you that for the reasons aforesaid and for the assistance of this Court you may be pleased to summon the said witness to attend at such time and place as you may appoint and that you will cause such witness to be examined;

And, any party to the proceedings may appear before you through his counsel or agnt or if not in custody, in person and may examine, cross examine or re-examine (as the case may be ) the said witness;

And, I further have the honour to request you to permit the appearance of Special Public Prosecutor on behalf of the State (Central Bureau of Investigation, Government of India) and Defence Counsels engaged by the accused S/Shri Chadrasmaji, Kailash Nath Aggarwal and P.V.Narasimha Rao for the purpose of the aforesaid examination, cross examination or re-examination (as the case may be) of the said witness. The accused S/Shri Chandraswamiji and Kailash Nath Aggarwal may also kindly be permitted to appear in person during such examination, cross-examination or re-examination of the witness.

And, I further have the honour to submit that I shall forward you the relevant extracts of the law including documents of the case and the original statement of certain witnesses recorded in the course of the investigation and also copies of deposition of certain witnesses recorded in this Court fully described in the enclosed Annexure forming part of this letter of request, through the special Public Prosecutor for the Central Bureau of Investigation, Government of India as and when hotessary arrangements for examination of witness are made at your end, which may kindly be permitted to be taken on record for the purpose of the proceedings.

And, I further have the honour to request you that you will be pleased to cause the answer of the said witness to be reduced into writing and all books, letters, papers and documents produced upon such examination to be duly marked and exhibited in the proceedings and that you may be further pleased to authenticate such examination by your official seal (if any) and under your signature and to return the same together with this commission to the undersigned through the Ministry of External Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court

This 5th day of September, 1997

sd/-

AJIT BHARJHOKE'

ADDITIONAL SESSION JUDGE CUM

SPECIAL JUDGE,

DELHI (INDIA)

#### ANNEXURE

- (i) Extracts of Sections 188, 284, 285 and Section 288 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (India).
- (ii) Copy of the Treaty for Mutual Assistance in criminal matters arrived at between the Republic of India and the Government of Canada on 24-10-1994. (26 Sheets).
- (iii) Copy of Section 17 of the (Cannada) Mutual Legal Assistance in Criminal Matters Act, 1989.
- (iv) Copy of the First Information Report dated 5-2-1988 filed in the case. (D/2) (two sheets).
- (v) Copy of Change sheet filed in the case together with the lists of witnesses, the documents and article etc. (13 sheets).
- (vi) Copy of the Sanction Order dated 19-4-96 under section 188 of the code of Criminal Procedure issued by the Government of India. (8 sheets).
- (vii) Copy of the charges framed against the accused by this Court.
- (viii) Copy of the deposition made by Mr. Lakhu Bhai Pathak, Tlalixco Yan veracruz State Mexico (retired) in this court.
- (ix) Copy of the deposition made by Mr. Yogesh Pathak, Post Box 26805, Tamn Florida, U.S.A., son Mr. Lakhu Bhai Pathak.
- (x) Copy of the deposition made by Mr. R.K. Das, Joint Director, SIB Lucknow (India) in this court.
- (xi) Copy of the deposition made by Mr. R.P. Sehrawat, Chief Marketing Manager, paper Division, State Trading Corporation, New Delhi (India) in this court.
- (xii) Copy of the entire docket containing letter rogatory dated 26-10-91 supplementary dated 8-4-93, issued by the court of Chief Metropolitan Magistrate, Delhi alongwith the proceedings in the court of Canada including the statement of Mr. W.E. Miller taken on Oath by the Ontario Court of Justice, Toronto Region (Provincial Division. (D22 to D22/3) (285 pages).

- (xiii) Original statement dated 25-5-88 of Mr. Kumar Bhag Chandani, R/o KERRIA Santiago (Chile) recorded in the course of investigation. (S-6) (34 sheets).
- (xiv) Original statement of Mr. Kishore Kamdar, R/o 2646, West Devan, Chicago, Illi Nais, Zip-60659, dated 23-1-96 recorded by Illinois State Police district 03 of U.S.A. recorded in the Course of investigation (S-14) (4 sheets)
- (xv) Original visitor's card Gurpreet Video International containing hand written address with A/C No. 4600-109 of M/s. Banner International with the Bank of Montreal, Ontario (on the reverse side) collected in the course of investigation. (D-5/1) (One sheet).
- (xvi) Photocopy of cheque of bank of Montreal No. 019 dated, June 27, 1994 for US\$ 50,000 in favour of Mr. Bhag Chandani collected in the course of investigation.
- (xvii) Covering letter dated 20-6-88 of Mr. Douglas M. Henskett, Special Agent Bureau of Organised Crimes and criminal Intelligence State of California (USA) together with (D/6) (One sheet).
  - (a) Copy of individual Grant Deed as 83-133067 dated 2-5-83 (D6/1) (one).
  - (b) Copy of individual Grant Deed No. 86-1728704(D6/2) (one sheet).
  - (c) Extracts of the said property from the land revenue records of California (on four sheets (D7) (4 sheets ).
- (xviii) Another letter dated 6-7-88, 10-11-89 of the said Mr. Douglas M. Henakett. (D-14 and mark-A-3) (one sheet each)
  - (a) Cheque No. 026009786 dated 30-12-83 of M/s. Ethnic Food Inc. New York for US \$ 73,000 (Mark D) (two sheets).
  - (b) Demand Promisory Note dated 30-12-83 issued by Mr. Yogesh Pathak for Mr. L.G. Pathak (Mark X) (one sheet).
  - (c) Statement of Bank A/C No. 03-4955-2 of M/s. Ethnic Food Inc. in Israel discount Bank of New York, with cover note (D-120) (two wheel)
  - (d) Pay-in-slip dated 4-1-84 (misprinted as 4-1-83) of M/s. Canadian Imperial Bank of Commerce Trust Company (D-13) (One sheet).
  - (e) Other papers obtained from the U.S. Attorney, Southern District of New York. (11Sheets-Mark A-10,A1, A2, A4, A-8, A-9, A-6, A-7, A-5).
- (xx) An indent dated Nil purportdly for import of Newsprint and paper pulp to India. Indentor's name is State Trading Corporation India. (D-5/2) (one sheet)

Sd/- 5-9-97

ADDITIONAL SESSION

JUDGE CUM

SPECIAL JUDGE

DELHI (INDIA).

[F.No. 11/6/97-LC]

ALOK KUMAR SHRIVASTAVA,

Dy. Secy.(IS.ID)